

इस प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय संस्कृति विभाग, उ. प्र. के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के डॉ. प्यारेलाल प्रेक्षागृह में महाविद्यालय के संस्थापक चौधरी महादेव प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माननीय कुलपति ने इस कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संगीत विभाग द्वारा एक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात कायस्थ पाठशाला और महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय से महाविद्यालय को और भी अधिक सहयोग की अपेक्षा की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे जी ने बताया कि पांडुलिपियों की अपनी दुनिया होती है मनुष्य ने सबसे पहले लेखन की शुरुआत भोजपत्रों, ताम्रपत्रों, आदि पर लेखन द्वारा की। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में कुछ नए कार्यक्रमों और योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के बच्चों की सेल्फ फाइनेंस फीस में 50% की छूट प्रदान करना और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए अर्न हवाइल यू लर्न योजना इस वर्ष महाविद्यालय के द्वारा शुरू की गई है। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास, प्रो. पंकज कुमार जी ने कहा कि कुलपति के रहते हुए यह विश्वविद्यालय नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और कॉलेज के विकास में पूर्ण सहयोग प्रदान करने में अपनी सहमति व्यक्त की। एडीजीपी, प्रयागराज श्री प्रेम प्रकाश जी ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का योगदान समाज के सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है और कहा कि दुर्लभ पांडुलिपियों का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान होता है पर यह पांडुलिपियां बहुत दिनों तक सुरक्षित नहीं रह पाएंगी इसलिए हम सबको मिलकर इस विरासत और संस्कृति को सुरक्षित करना पड़ेगा।

मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विकास और वैश्विक शैक्षिक मंच पर उसकी

पुनर्प्रतिष्ठा के प्रयासों से अवगत कराया और कहा कि सभी संघटक महाविद्यालय इस प्रयास के सहगामी बनें तो निश्चित रूप से हम शिखर पर होंगे। उन्होंने पाण्डुलिपियों की विकास यात्रा और उसके संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की विविधता और उदात्त परम्परा का सार इन्हीं में संग्रहीत है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जो योजनाएं महाविद्यालय विकास से संबंधित हैं वे उस पर पूरी सहृदयता से कार्य कर रही हैं और शीघ्र ही हैं प्रोफेसरशिप में प्रमोशन, आदि कार्यों को भी पूरा कर लिया जाएगा।

कार्यक्रम की अगली शृंखला में महाविद्यालय की प्राचीन इतिहास विभाग की संयोजक डॉ अर्चना श्रीवास्तव ने कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव के अभिनंदन पत्र को पढ़ा जो कि पूर्व प्राचार्य डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव जी के द्वारा लिखा गया था। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भूपेंद्र कुमार तथा वंदना माथुर द्वारा माननीय कुलपति को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। उप-प्राचार्य डॉ नीता सिन्हा तथा डॉ सरोज सिंह द्वारा कुलपति को शाल एवं डॉ सत्यमवदा सिंह और डॉ एस पी सिंह द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ गोविन्द गौरव और डॉ रितु रघुवंशी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ भावना चौहान ने किया। इस कार्यक्रम में शासी निकाय के पूर्व अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव, डॉ बृजेश कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रो आनंद शंकर सिंह, प्रो अतुल सिंह, प्रो अनजान जी, प्रो रंजन जी तथा प्रो लालिमा सिंह समेत विधविद्यालये के वरिष्ठ प्रोफेसर और कायस्थ पाठशाला के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनने में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों सहित एन एस एस और एन सी सी के विद्यार्थियों और शोध छात्र-छात्राओं की भी सक्रिय उपस्थिति एवं सहयोग रहा।



सी एम पी डिग्री कॉलेज में दिनांक 21 नवंबर 2022 को दुर्लभ पांडुलिपि प्रदर्शनी का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव जी द्वारा किया गया



कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे जी ने महाविद्यालय में कुछ नए कार्यक्रमों और योजनाओं की भी जानकारी दी



मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विकास और वैश्विक शैक्षिक मंच पर उसकी पुनर्प्रतिष्ठा के प्रयासों से अवगत कराया



डॉ अर्चना श्रीवास्तव ने कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव के अभिनंदन पत्र को पढ़ा जो कि पूर्व प्राचार्य डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव जी के द्वारा लिखा गया था



पांडुलिपियों की लगाई गई प्रदर्शनी

अमर उजाला खरुटी

प्रयागराज: सौरभजी साहूविद्यालय के परिसर में अमर उजाला की सुनंभ पांडुलिपि प्रदर्शनी लगवाई गई। अमर उजाला विभाग, सौरभजी विद्यालय, राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय सहसंयुक्त विभाग की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शनी को उद्घाटन करे अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि



अमर उजाला की अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि के लिए

को 50 प्रतिशत की योग्य पाठकों को प्रदर्शन की जायेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने किया। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि के लिए प्रदर्शन के लिए अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि

राष्ट्र समता

प्रयागराज/लखनऊ

‘सी एम पी डिग्री कॉलेज में पांडुलिपियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन’

प्रयागराज सहसंयुक्त विभाग के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि पुस्तकालय सहसंयुक्त विभाग की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शनी को उद्घाटन करे अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि

अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि पुस्तकालय सहसंयुक्त विभाग की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शनी को उद्घाटन करे अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि

अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि पुस्तकालय सहसंयुक्त विभाग की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शनी को उद्घाटन करे अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि

अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि पांडुलिपि पुस्तकालय सहसंयुक्त विभाग की ओर से लगाई गई इस प्रदर्शनी को उद्घाटन करे अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी। अमर उजाला के अध्यक्ष अशोक शर्मा जी ने कहा कि

कानपुर इकाई की नवम्बर माह की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। राष्ट्र समता विचार मंच कानपुर इकाई की पहिले माह नवम्बर माह की काव्य गोष्ठी का आयोजन नवम्बर माह के अन्तर्गत में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की